गुडिया रानी पढ़ने जाओ

इंदौर। गुडिया रानी पढ़ने जाओ, पढाई से जी नहीं चुराओ, उक्त पंक्तियों के साथ बाल साहित्यकार नयन राठी ने शास. मा. विद्यालय क्र.61 ,बाराभाई, इंदौर में 'स्कूल चलें हम' अभियान के अंतर्गत हुई बाल सभा में विद्यार्थियों एवं शिक्षक गण के समक्ष व्यक्त किए।श्री राठी ने स्वरचित पोस्टर का भी प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा भी कविता एवम् कहानी सुनाई गई। कार्यक्रम समापन पर नयन राठी द्वारा विद्यालय एवम् विद्यार्थियों को बाल पत्रिका 'चिरैया' भेंट की गई। विद्यालय प्रबंधन ने श्री राठी के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वराज ने आधुनिक तकनीक से लैस 'प्रोटेक ट्रैक्टर' किया लॉन्च

इंदौर। महिंद्रा समूह की कंपनी और भारत के प्रमुख ट्रैक्टर ब्रांडों में शामिल स्वराज ट्रैक्टर्स ने मध्य प्रदेश में अपना नया स्वराज प्रोटेक ट्रैक्टर लॉन्च किया। स्वराज प्रोटेक को दमदार प्रदर्शन, सटीक इंजीनियरिंग और आसान संचालन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि कृषि हो या व्यावसायिक कार्य, हर काम कम समय, कम मेहनत और अधिक दक्षता के साथ पूरा किया जा सके। इसमें भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई आधुनिक तकनीक और कई उन्नत फीचर्स दिए गए हैं, जो कठिन से कठिन कार्यों को भी आसानी से पूरा करने में मदद करते हैं। स्वराज 855 प्रोटेक 2WD और 4WD दोनों विकल्पों में उपलब्ध होगा। यह ट्रैक्टर स्वराज की पहचान रहे दमदार प्रदर्शन, बहुउपयोगिता और विश्वसनीयता को और बेहतर बनाता है। इसके साथ नए आरामदायक फीचर्स, आकर्षक डिजाइन और अत्याधुनिक टेलीमैटिक्स सिस्टम दिया गया है, जो ग्राहकों को ट्रैक्टर से जुड़ी लाइव जानकारी उपलब्ध कराता है। बेहतर प्रदर्शन के साथ यह नया ट्रैक्टर किसानों और व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं को अधिक उत्पादकता, बेहतर दक्षता, ज्यादा आराम और आधुनिक स्टाइल प्रदान करेगा।

स्वराज डिवीजन के सीईओ गगनजोत सिंह ने कहा, खेती का भविष्य ऐसी तकनीक पर आधारित होगा जो किसानों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप, भरोसेमंद और उपयोगी हो। प्रोटेक इसी सोच का परिणाम है।

आदिवासी समाज के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 105 बच्चे हुए लाभान्वित

इंदौर। आदिवासी और वंचित वर्ग के बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हवा बंगला क्षेत्र (विदुर नगर) में 'निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन किया गया। यह विशेष शिविर सोसाइटी फॉर अवेयरनेस एंड ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ यूथफूल एस्पिरेशन एवं सारथी शिक्षा रोशन सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें रोटरी क्लब और लायंस क्लब) ने सहयोगी संस्थाओं के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि स्वास्थ्य जाँच और परामर्श शिविर में कुल 105 बच्चों ने स्वास्थ्य जाँच कराई। शिविर के दौरान बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया गया। इसके साथ ही उनकी लंबाई (ऊंचाई), वजन, ऑक्सीजन स्तर, आंखों और दांतों की बारीकी से जांच की गई और उनके कुपोषण के स्तर का भी आंकलन किया गया। शिविर के दौरान संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ संवाद किया और उन्हें स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। सभी बच्चों को पौष्टिक डाबर जूस वितरित किया गया। साथ ही समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए, बच्चों को जीवन में कभी भी तंबाकू या उससे बने हानिकारक उत्पादों का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई।इस कार्य में मुख्य रूप से संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुरेश सहगल एवं श्रीमती सुमन ज्ञानी उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर की सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करवाया।

कार्टून कोना

कालजयी विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ

इन्दौर आचार्य श्री सुनील सागर महाराज के सानिध्य में श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम ट्रस्ट और कुंद-कुंद ज्ञानपीठ की ओर से आयोजित कालजयी विरासत, समकालीन विमर्श और स्वर्णिम भविष्य की रूपरेखा विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ।

इसमें विद्वान अतिथि नीरज जैन इंदौर, सत्येंद्र कुमार जैन जयपुर, अभय वर्णी, वीरेंद्र जैन, तारा डागा ने प्राकृत भाषा, भू-वलय, पर्यावरण, प्राकृत, नवांक के महत्व को प्रतिपादित कर इस संगोष्ठी को वैश्विक स्तर की संगोष्ठी के रूप में स्थापित कर दिया। इसमें जहां प्राकृत भाषा के उद्भव से लेकर उसके कन्नड़, मलयालम, बंगाली सहित हमारी क्षेत्रीय भाषा गुजराती मराठी और संस्कृत आदि का प्रादुर्भाव को पूरी शिद्दत से बताया गया। जयपुर से पधारे जयकुमार उपाध्ये ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अपने शोध पत्रों का वाचन करने वाले विद्वानों के विचारों की सटीक सारगर्भित मीमांसा कर संगोष्ठी को उच्च स्तर पर पहुंचा दिया। आचार्य श्री सुनील सागर जी ने कहा कि जैन धर्म एक वैज्ञानिक धर्म है। यदि वैज्ञानिक इसे समझें तो वे भी इसे वैज्ञानिक मानेंगे, क्योंकि इसमें प्रकृति का संरक्षण प्रमुख है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों से निकलने वाला कार्बन और पटाखों से निकलने वाले रसायन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। विहार के दौरान संतों का आतिथ्य सरलता से होता है। लोग छोटा घर भी खाली कर देते हैं। हमें भी सादगी अपनानी चाहिए। भीड़ कम हो तो कुर्सियां समेटकर बैठें, एसी कम चलाएं। मोबाइल टावरों के रेडिएशन से पक्षियों को हानि होती है। आचार्य श्री ने कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सब की जिम्मेदारी है इससे जीवो की रक्षा होगी।

आचार्य श्री ने मंगल देशना में कहा कि प्राकृत भाषा पर उद्बोधन देते हुए कहा कि इसका उपयोग और सीखने की प्रवत्ति रखनी चाहिए। यही बात मुनि पूज्य सागर जी ने भी बताई। उन्होंने कहा कि शरीर पंचभूतों– पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, वनस्पति से बना है। यदि ये दूषित होंगे तो मनुष्य भी संकट में होगा। उन्होंने कहा कि यमुना का पानी आज पीने लायक नहीं रहा।

उन्होंने कहा कि जगदीश चंद्र बसु ने भी सिद्ध किया कि पेड़-पौधों में जीवन है। मेट्रो के लिए पेड़ काटना खतरनाक है। आधुनिक शैंपू-साबुन से त्वचा रोग बढ़ रहे हैं। इसलिए प्रकृति और संस्कृति दोनों बचाना जरूरी है। अतिथि देवो भव की भावना ही सच्चा धर्म है।

इस अवसर पर अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागर जी महाराज ने अपने प्रबोधन में कहा कि आज की संगोष्ठी में प्राकृत भाषा के बारे में विस्तार से चर्चा हुई है। अगर हर व्यक्ति इसे अपनाए और जीवन चर्या में शामिल करें तो शास्त्रों और ग्रंथो का सार आसानी से समझा जा सकता है। उन्होंने उपस्थित जन समुदाय को प्राकृत अपनाने और सीखने की प्रेरणा दी। श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम, ट्रस्ट, कुंद-कुंद ज्ञानपीठ, दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर रीजन, दिगंबर जैन श्राविका आश्रम समवशरण मंदिर ट्रस्ट आदि संस्थाओं का संयोजन और सहयोग रहा। संचालन विदुषी संगीता मेहता और डॉ. अरविंद जैन ने किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अमित कासलीवाल, हंसमुख, गांधी, सुशील कासलीवाल, आदित्य कासलीवाल, लोकेश कासलीवाल, ब. अनिल जैन , आनंद गोधा, नवीन गोधा,महामंत्री हर्ष जैन , मनोहर झांझरी, प्रदीप चौधरी,संदीप मोयरा,शरद सेठी, सुमत लुहाड़िया , डॉ जैनेन्द्र जैन, पिन्सपाल टेंग्या, राजेन्द्र सोनी, मुकेश बाकलीवाल, अजीत जैन, इंजी. अनिल कुमार जैन, प्रो. संगीता मेहता, रेखा संजय जैन, बाबूलाल पाण्ड्या, कीर्ति पाण्ड्या, दिलीप पाटनी, संजय पापड़ीवाल, ऋषभ जैन सहित बड़ी संख्या में दिगंबर जैन समाज के महिला पुरुष मौजूद रहे।

माँ के नाम रोपें औषधीय पौधे
आने वाली पीढ़ियों को दें स्वस्थ पर्यावरण

इंदौर। मालवमंथन द्वारा अपने जनजागरण प्रकल्प 'हर्बल फर्स्ट एड बॉक्स' एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के समर्थन में शासकीय अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, महाराणा प्रताप नगर, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में औषधीय पौधों का रोपण एवं पर्यावरण संवाद का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. स्वप्निल व्यास ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माँ केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि जीवन के संरक्षण और संवर्धन का प्रतीक है। उसी प्रकार औषधीय पौधे और वृक्ष संपूर्ण मानवता के जीवन की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' केवल पौधारोपण का अभियान नहीं, बल्कि माँ के प्रति सम्मान, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक औषधीय पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज प्राकृतिक

स्वास्थ्य की दिशा में भी सशक्त कदम बढ़ाएगा। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुजाता जैन ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी केंद्र होता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ते हैं तथा उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया तथा उनके औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्व की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्राचार्य श्रीमती विमल तलरेजा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन श्रीमती सुषमा राठौर ने किया तथा श्री मुकेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मालवमंथन के कार्यकर्ता, विद्यालय परिवार, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्रीराम मंदिर, इंदौर के स्वयंसेवकों ने किया पौधारोपण

इंदौर। पर्यावरण संरक्षण की महत्ता को देश के प्रत्येक नागरिक को समझना चाहिए। वर्षा ऋतु पौधारोपण के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समय है, इसलिए इस मौसम में पौधारोपण करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की श्रीराम मंदिर उद्यान शाखा, सुदामा नगर, इंदौर के स्वयंसेवकों ने श्रीराम मंदिर उद्यान परिसर में पौधारोपण किया।इस अवसर पर स्वयंसेवक कृष्णचन्द्र शर्मा ने अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अन्य स्वयंसेवकों के साथ मिलकर पौधारोपण किया।कार्यक्रम में कमलेश बाजपेई, संजय भार्गव, मनीष रत्नावत, विजय मौर्य, शेषनारायण शर्मा, डॉ. अजय जोशी, कृष्णचन्द्र शर्मा, राजेश तिवारी, गोविंद काबरा, मनोज गुप्ता, तरुण शर्मा सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित थे।

प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

इंदौर। रघुवंशी समाज पारमार्थिक सार्वजनिक ट्रस्ट, इंदौर द्वारा रघुवंशी धर्मशाला, रघुवंशी कॉलोनी, मरिमाता चौराहा में प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में समाज के विशिष्ट अतिथियों – हेमंत सिंह रघुवंशी (जिला न्यायाधीश, इंदौर) विकास सिंह रघुवंशी (तहसीलदार,) और राघवेंद्र सिंह रघुवंशी (रजिस्ट्रार, इंदौर) ने प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, अभिभावक और युवा वर्ग ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष *शम्भू सिंह रघुवंशी* और सचिव कमलेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहन देना है।

अजनोद में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न, मां भुवनेश्वरी की प्रतिमा की हुई प्राण प्रतिष्ठा

सांवेर। ग्राम अजनोद में आयोजित तीन दिवसीय मां भुवनेश्वरी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव रविवार को धार्मिक अनुष्ठानों एवं विशाल भंडारे के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। महोत्सव में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया।

महोत्सव के प्रथम दिवस भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर पूरे गांव में श्रद्धा और उत्साह के साथ सहभागिता की। धार्मिक जयघोषों से गांव का वातावरण भक्तिमय बना रहा। दूसरे दिन महायज्ञ, हवन-पूजन एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रहे।रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ सुबह करीब 11:30 बजे मां भुवनेश्वरी की प्रतिमा की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। संपूर्ण अनुष्ठान पंडित अरविंद नागर के आचार्यत्व में सम्पन्न कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।शाम 4 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन को सफल बनाने में समस्त ग्राम अजनोद के ग्रामीणों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। पूरे महोत्सव के दौरान गांव में श्रद्धा, आस्था और उत्साह का वातावरण बना रहा।

पाठशाला में रचनाकारों ने जानीं लघुकथा लेखन की बारीकियां

इंदौर। विचार प्रवाह साहित्य मंच ने अपने चलो कुछ अच्छा लिखें और सीखें अभियान के तहत शनिवार रात लघुकथा की पाठशाला का आयोजन किया। ऑनलाइन हुए इस आयोजन में देश के विभिन्न शहरों से लघुकथाकार शामिल हुए और लघुकथा लेखन की बारीकियों को जाना। मुख्य अतिथि वरिष्ठ लघुकथाकार श्री अशोक भाटिया (हरियाणा) ने उपस्थित लघुकथाकारों के सवालों के जवाब देते हुए लघुकथा के आकार, प्रकार, शिल्प, कथ्य, भाषा, वर्तनी पर प्रभावी प्रकाश डाला। श्री भाटिया ने कुछ लघुकथाओं का जिक्र करते हुए कहा कि श्रेष्ठ लघुकथाओं को संजोकर रखें और इनका बार-बार अध्ययन करें। इससे आपके लघुकथा लेखन में सुधार और निखार आएगा। लघुकथाकारों को अपने लिए बड़ा पाठक वर्ग तैयार करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार और हिंदी मासिक वीणा के संपादक श्री राकेश शर्मा ने लघुकथा आंदोलन में इंदौर के लघुकथाकारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। श्री शर्मा ने कहा कि लघुकथा या किसी भी विधा में अगर कालजयी रचनाकारों की तरह सृजन करना है तो उसके लिए साधना लगती है। आयोजन संयोजक वरिष्ठ लघुकथाकार श्री भुवनेश दशोत्तर ने लघुकथा पाठशाला आयोजित करने का उद्देश्य बताया। मंच की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती सुषमा दुबे ने स्वागत उद्बोधन दिया।

संचालन मंच के अध्यक्ष मुकेश तिवारी ने किया। आयोजन में वरिष्ठ लेखिका माया बदेका (उज्जैन), अमिता मराठे, अर्चना पंडित, सुषमा व्यास पारिजात, स्वाति श्रोत्रि,धीरेंद्र कुमार जोशी (महू), देवेंद्र सिंह सिसौदिया, सुषमा व्यास, सुधाकर मिश्रा (महू), अर्चना मंडलोई, डॉ. आरती दुबे, सीमा पांड्या (उज्जैन), डॉ. ज्योति सिंह, श्वेता गर्ग, स्वाति जोशी (पुणे), डॉ पणव श्रोत्रिय , शारदा मिश्रा, शालिनी बड़ोले, उपासना गुप्ता, निशा बुधे झा (जयपुर), डॉ. पूनम विशाल, सपना उपाध्याय और अमोघ अग्रवाल (सागर) आदि ने भाग लिया।

स्वास्थ्य आयुक्त ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण, पदोन्नति समिति की बैठक में हुए शामिल

इन्दौर धार रोड स्थित 300 बिस्तरीय जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य आयुक्त एस. धनराजू (आईएएस) ने इसकी 17 जुलाई को प्रस्तावित शुभारंभ की तैयारियों की समीक्षा की। स्वास्थ्य आयुक्त ने जिला अस्पताल में मैटरनिटी विंग, ऑपरेशन थिएटर और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक उपकरणों व सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने वाले संसाधनों की तत्काल व्यवस्था की जाए, जबकि अन्य आवश्यक सामग्री भोपाल से उपलब्ध कराई जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में प्रस्तावित नए प्रशासनिक ब्लॉक का भी अवलोकन किया। हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को आवश्यक संशोधन कर नई ड्राइंग प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। प्रस्तावित ब्लॉक में सीएसएसडी, लॉन्ड्री, किचन, स्टोर और मॉर्च्युरी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार 17 जुलाई से नए मैटरनिटी विंग में सेवाएं शुरू हो जाएंगी। इसके बाद स्वास्थ्य आयुक्त महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय पहुंचे, जहां विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में शामिल हुए। जिसमें उन्होंने 15 कर्मचारियों की पदोन्नतियों को मंजूरी दी।